

14



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

65AA 014412

बहराग 10/- नकल नम्बर 519 वर्ष 2009 पर मलिन है,

पढ़ा-सुना-स.र. II ४

न्यायालय तहसीलदार सदर कानपुर नगर

दि. 9/9/10 09

महोदय सभ 03/09/10

बनाम

सामान्य आदि

धारा-34/35 एत 0अर 0 एकट

बीजा-बीरी अकबरपुर कछर कानपुर नगर।

निर्णय

प्रस्तुत नामान्तरण याद प्राप्ति द्वारा पंजीकृत बैनामा के आधार पर प्राप्त करने हुए विहीत भूमि पर राजस्व अधिकारों में अपना नाम अंकित किया जाने की प्रार्थना की है। विद्वानुसार इस्तहारा जारी किया गया जो याद तारीखी दायित्व प्रकटली है। किसी ओर से कोई आपत्ति दायित्व नहीं हुई। यादी द्वारा साक्ष्य में मूल बैनामा, गबल गबलन प्रतीनी व हथपत्र, दायित्व किया गया। नैतिक साक्ष्य में शीर्ष लेखपाल ने यदान करते हुये कथन किया है कि विहीत भूमि पर कंठा का ही कब्जा व दायित्व है। विहीता अनुप्राप्त भूमि का सकारण नहीं है। विहीत भूमि 000000 अरि की नहीं है।

मैंने पत्रावली का सम्बन्ध अदालत में किया तथा उपलब्ध साक्ष्य को पढ़ा व पत्रावली पर दायित्व पंजीकृत बैनामा से आरानी निजाई का प्राप्ति के एक में विहीत किया जाता एवं विहीत भूमि पर कंठा का ही कब्जा व दायित्व सिद्ध है। आतएव जारी का नामान्तरण प्रार्थना पर स्वीकार किया जाता है।

आदेश

अतः आदेश हुआ कि इन बीरी अकबरपुर कछर की आता प्रतीनी 1410 फु 0 सप्तम 1414 फु 0 आता 0 228 आता 0 1092 रकबा 0.15430 मसमुजारी 609 पर विहीता सामान्य व राजराम व सुदेवार व देवी प्रसाद व सोनेलाल पुत्रनम 000 दुसरे निवासीगण ग्राम सपपुर कानपुर नगर का नाम पुनः करने पंजीकृत बैनामा दि. 06-12-01 के आधार पर कंठा महावीर सक्करी अकबात सन्धि सि 0 कानपुर नगर द्वारा सधिव 20000 जैन पुन 00000 जैन विदासी 73 आता 0 कानपुर कानपुर नगर का नाम कतीर सक्करी/सक्करीगण भूमि पर दायित्व कानपुर किया जावे। याद अमल वरामद प्रकटली दायित्व दायित्व की जाये।

दिनांक :- 18/9/10

तहसीलदार (सदर)
कानपुर नगर

291

23



Attested
Subodh Kumar Trivedi
 ADVOCATE
 Court Compound - Kanpur.



00BB 330596



Attested
Subodh Kumar
 Court Compound - Kanpur.



Attested
 Court Compound - Kanpur.



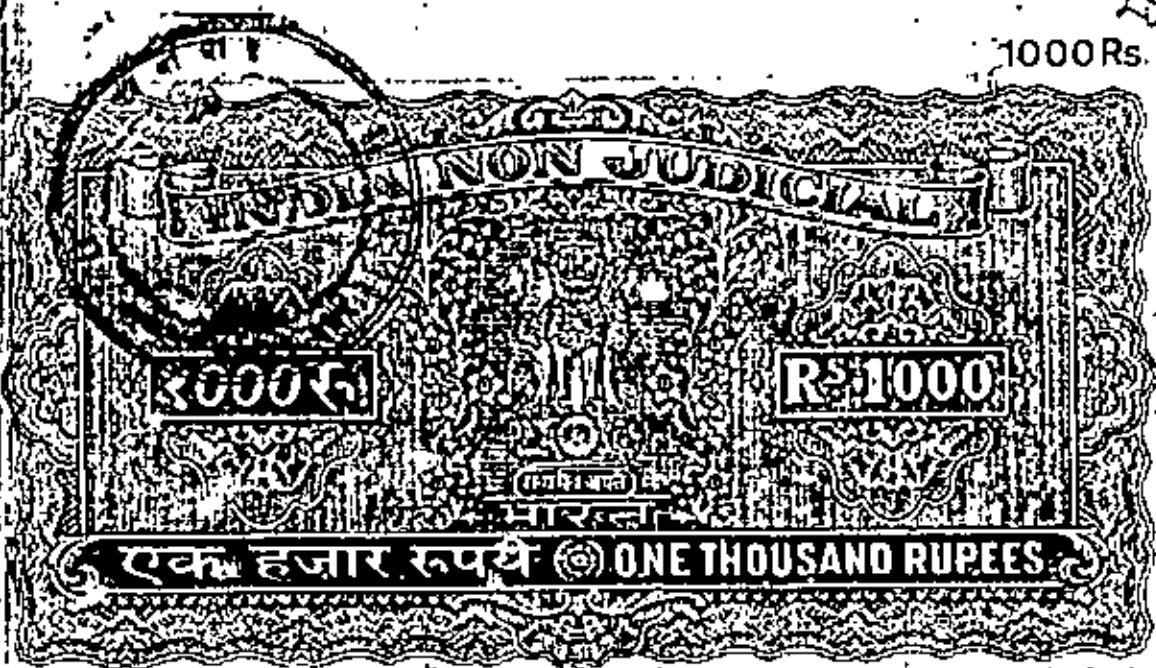
॥ अगणशायनः ॥

हम कि रामस्वरूप व राजाराम व सुबेदार व देवी प्रसाद
 व सौनेलाल कयस्क पुत्राणां स्व० दुलारे सास्त निवासीणां
 ग्राम रुपपुर परगना व तहसील व जिला कानपुर नगर के हैं।

विदित हो कि हम मुकियान का राजी मुमिदारी नम्बरी

र०६२ एकडा ०, २५४ ई० स्थित मीजा केरी ककबरपुर कठार

रामाराम (सुबेदार) देवी प्रसाद
 राजाराम
 २५३० रामस्वरूप
 २५३० देवी प्रसाद
 २५३० सौनेलाल
 २५३० ककबरपुर



(२)

परमना व तद्वर्ति व जिहा कानपुर नगर के तर्का
या त्ति, का पित्र वद्वर्ति संज्ञणिय पुमि पर करतला रान
ह, कबहा मी ह्य पुकिरान का ह तथा नाम मी वर्त
कागबास सरका रि पूरा वस्व तमिलेर्नी वी ह। हम पुकिरान
कां वस्त जायदाद बरा कतन खपने पित्त के निधनीपरास्त
हा मित दुधी ह। हम पुकिरान के वहाबा अन्य कीर्त व्यक्ति
वकदार व विस्वेदार या मागिदार कपवा साम्पिदार
कीर्त ह। वस्त जायदाद पिवरण हस्य बित काज दिन तक
कुहा बार त्तिहास से बरी पाक व साफ ह। वस्त रहन

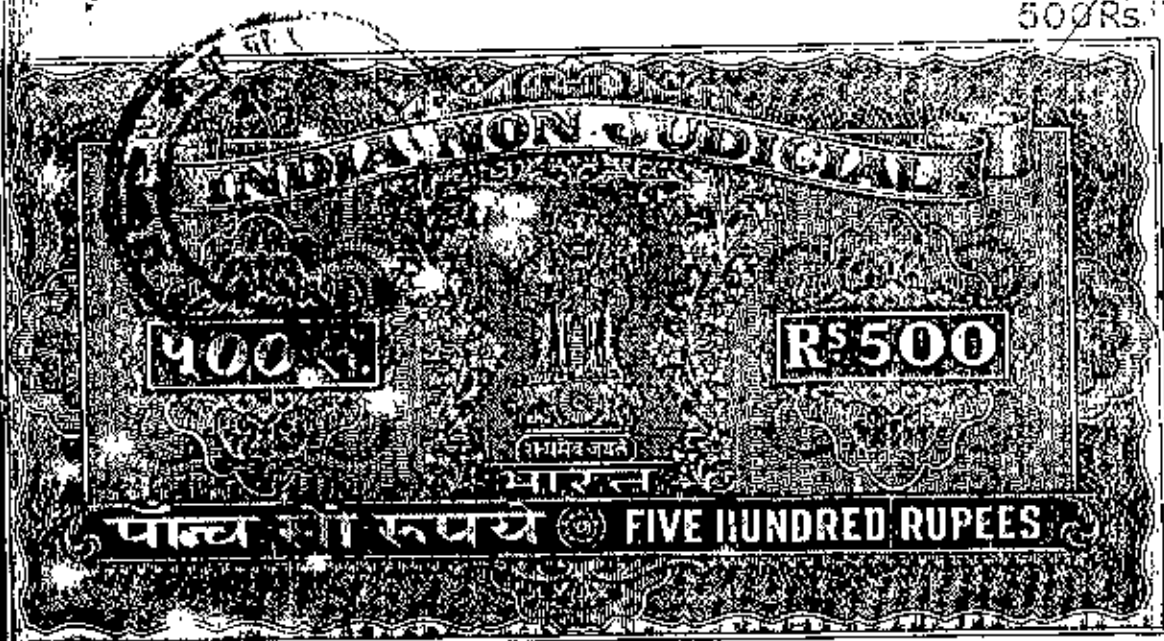


राजागारा हुसैन

राजागारा हुसैन

राजागारा हुसैन
राजागारा हुसैन

27
500Rs.



(२)

बय, बिबा, पुस्तगरक, जमानत लादि न्हें हें तथा किसी
 डिगरी व हजारये डिगरी में कूरु लयवा बरसने कीलाय
 न्हें हें तथा किसी न्यायालय या माहेकमा सरकारी द्वारा
 विक्रयवादि करने से भी रोक न्हें गया हें तथा किसी के
 लोन लादि में बन्धक भी न्हें हें उक्त जायदाद किसी
 न्यायालय या माहेकमा सरकारी द्वारा काज पिन तक
 अधिगृहीत न्हें कीगयी हें तब न ही मुकिरान को कोई
 नोटिस ही सुक्वायर करने सम्बन्धी हम मुकिरान को
 कमी प्राप्त हुवा हें। गरजे कि जायदाद उपरोक्त काज.



रामराम स्वयं

रामराम स्वयं

रामराम स्वयं

रामराम स्वयं

रामराम स्वयं

रामराम स्वयं



रामराम स्वयं

रामराम स्वयं

रामराम स्वयं



(v)

दिन तक हर प्रकार से पाक व साफ है, तथा एवं मुफिरान
की उक्त आयदाद की बचतिये अपनाया प्रिय करने सम्बन्धी
कुछ अधिकार या ठिकाना हा सित है। यदि इन मुफिरान को
मर्षे सामागिय अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु रुपया की सहा
आवश्यकता दर्पित है। यदि कि बिना बेचे हुये आयदाद उपरान्त
इन मुफिरान की बहाल रफा नहीं हो सकती है। लिया जा
एवं मुफिरान में उक्त आयदाद विवरण निम्नस्थितित को बेचना
उचित समझकर बेचने की आवश्यक एयर उपर बातधीत शुरू की
जा गुप्ततयु वय पर पिछ स्वमुबलिया १,१२,५००/- एकतात
आख इसार पांच सा रुपया पैमाना कीर सकारा निवावाय
समाप्त

3/



बोर्ड ऑफ़ एज्युकेशन, १९००-०१, निवासी, ७१, भा. १०, एस०

उत्तराखण्ड का कांस्टीट्यूट ऑफ़ लॉ एंड ऑर्डर

भाव ऐसा नहीं है। किमत हम मुक्तिरान की परभाव तस्लीम

दश हवास विद्या किसी दास नाजायज़ों पर सुनहा एक व

किसी भीप के विरुद्ध स्वयं पुबलिता १,१२,५००।- एक हात

द्विपन्न वजार वा सद्गुणवास रूपया विनका विन्द शस्कार /

पय कुल दक्ष पाणिना व हस्तोकाही सदित बदस्त पदावीर

सङ्ग्राही कायास समिति. हि० रजिस्ट्रेशन संख्या ६६६।८२

2150121

५०८

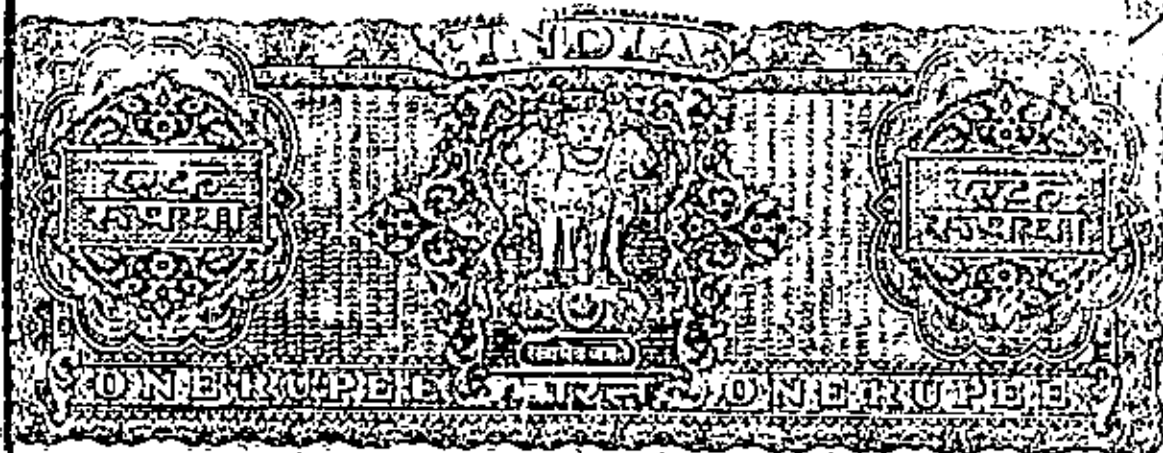
श्री १०० रामचन्द्रकृत

पुर्व

1. 0.8712

2417620

श्रीमान् श्रीमान्



(4)

ਦਾ ਰਾ ਹੇਥਿ ਕੀ ੨੦ ਕੇ੦ ਸੈਨ ਪੁਸ਼ ਕੀ ੨੦ ਕੇ੦ ਸੈਨ ਨਿਯਾ ਹੀ ੭੩ ਆ ੨੦

एषः पुत्रः काकादेव शत्रुं कायपुरं च धनं क्लृप्तं करं दद्यात् धामिनि

बैष्य क्षात्रा तथा कृष्ण शीतल इव पुष्करान नी उक्त संहिता र समिति

सं निम्न विवरणांनुसारं मरुद वृष्टि पा रिष्या ६। निम्नतः शर

सन ७५ एक मरिचका पाना जिम्मे तरीदा र सनिति के शेष मही

रखा। इस पुस्तिकान ने साव की ता रिस से अपना सठमा बढ़ात

या शिक्षाया प वाक्यं वा यदा नुदीया एताया से चट्टा कर माके

पर कठ्ठा वदतठ मा लिहाना य वाकहँ सरीदार का जायदाद

मुंबईया हा मा पर करा दिया तथा पाठिक, का विज करा दिया.

परिषद् समिति काम की तरीक से जायदाद मुंबई वाया की

एक माघ मासिक, का विजय वदलील हाँ गयी तथा उसे सुप्रसन्निका २



१०५८ शा. ५० शा.

27510

राजा राजा

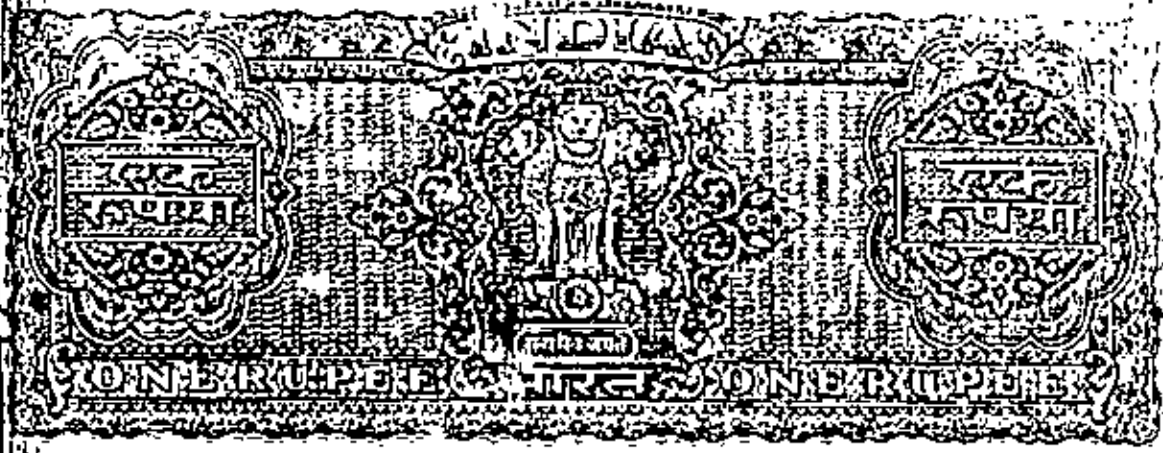
हादाल

[Signature]

२१) + ८५/१००

21/11/2023 सो १ ला ८

35



(3)

या लिखा ना हस्तलाही या सिही व ता रिही के हा सिह ही गये।
 तरीदार समिति जिस प्रकार से कार्य का पनाद पुर्वेया हा ना के
 अपने प्रयोग व स्मिताई हावे। हर्ष पुकिराय व वा रिताय पुकिराय
 की कोई उगुर व स्तराय न होगा। तरीदार समिति की हक
 हा सिह हांगा कि यह अपना नाम कागजात परकारी में बताना
 मिठकियत दर्ज करा छे तया दर्जनाय हय पुकिराय स्तराय करा
 देवे। जिसकी रजायन्दी छय दस्तावेज हा ना द्वारा सम्की
 बायेगी। फिर भी यदि कहीं बहरत पड़ी ता पुकिराय
 अपनी थरीरी व गुमायी रजायन्दी देखी की भी बहरत
 हांगी पैस कर देगा। यदि बायनाद पुर्वेया हा ना का कुछ या
 गुमायग कछा बदलत पुकिराय के फौड या तर्कौड या कुछ
 मिठकियत लादि की बन्ध से तरीदार समिति के कछा बदलत



10310 राम...



3/3/12
 राजा...
 14/7/12
 सो...
 2/8/12

के विद्यमान अनुसूति प्राप्त करने के लिये प्रायोगिक प्रयोग
 की लिंग का यह विद्यमान अनुसूति प्राप्त करने के लिये प्रायोगिक प्रयोग
 पर ६६ है। विद्यमान अनुसूति प्राप्त करने के लिये प्रायोगिक प्रयोग
 है, स्टाम्प डिप्टी ऑफिस रेट ३,००,०००/- रुपये प्रति
 एकड़ के विद्यमान पर १,१४,०००/- रुपये पर मुद्रा
 १६,४५५/- रुपये की लिंग की लिंग है। लिंग पर लिंग
 का कोई विद्यमान अनुसूति नहीं है। लिंग का लिंग अनुसूति
 नहीं है।

परिधान- काशी मन्थर १०८८ तहिलार समिति

राजा राजा
राजा राजा

५५५५

120000

(मल्लरूप)



(११)

वत्स- वाराही नम्बर १०६३ तरीदार समिति

दफिण- वाराही नम्बर १०६० तरीदार समिति

वफाहीत वसुलया की वरं उन मुबलि

१,१२,५००१- एक छत बा ए वनार पांच सा
रुपया।

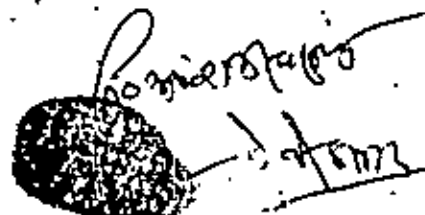
मुबलि १,१२,५००१- एक छत बा ए वनार पांच
सा रुपया रुबरु बीमा व सब रमिष्टारम्यादय कानपुर
के मुकिशान ने वसुत तरीदार समिति से नकद वसुत पा
छिया है। निस्कत वर उन वन एक भी वसा पाना



१०००० शमिरनकय

जाना ११/११
शजाम

मुवेच
मुवेच

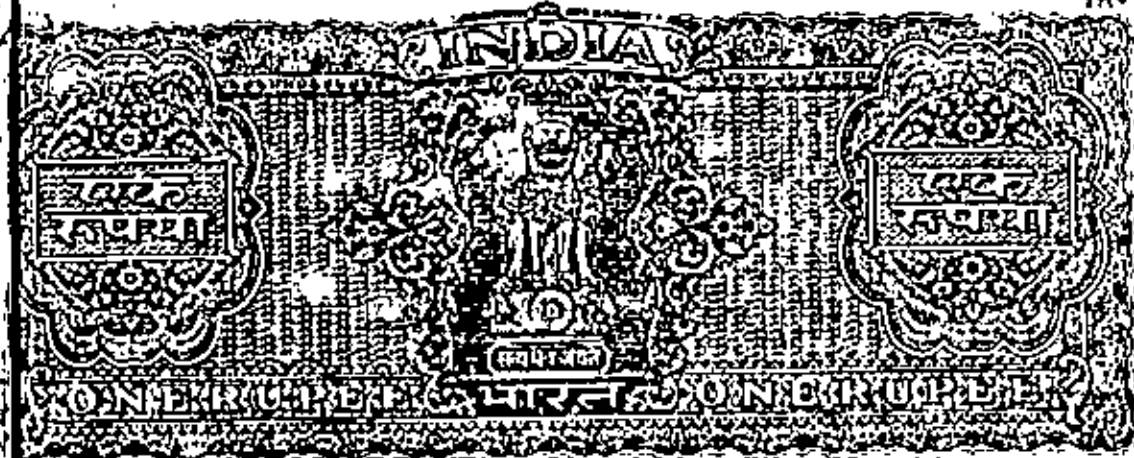


१०००००००००

नेमर

२०॥ ११/११
२०॥ ११/११

१००००००००००



(१२)

निम्न तरीदार के हंग की ला।

तहरीर ता रीत- ३-७-१९६६ ई०

गवाह-१- रामसुख मिश्रा
उपस्थित श्री सुमिली मिश्रा
मि० ए० के० वाराणसी नगर न्यायालय

गवाह-२- शिवप्रसाद जी का ठाकी

मिथिली का की कलम का नाम

टापस्य-
रामसुख मिश्रा
रा के का रमि,
हा ००० ८४ कांटे का नपुर

DRAFTED BY ME

Subodh Kumar Trivedi
ADVOCATE
Court Compound - Kanpur.



राजारा

श्री नारायण

वापसीदि: 28-8-91

9.12.2.1

प्राप्त अर्थ - १०००/-

317126

ୱାସି
କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ ଲେଉଟି କା ନହି ।

2-7 pg

73
 ગાંધીજીનાં પત્રો

22.2.2000

21-2-2000

23/46

2 1538 291

वडीरमल व पिल्ल १९१८ पुस्तक ३९७/५०३ क्र. २३१/२००० व २०१२
आव रितां- ०६/१५/२०१२ को लिखित दिनांक- २०१७

१.   
 २.   
 ३.   
 ४.   
 ५.   
 ६.   

ଆମର ୪୫-୦୭